दशम् विधान-सभा
अष्टम्-सत्र

शुक्रवार, तिथि

10 जुलाई, 1992 ई०
19 आषाढ़, 1914 सं०

§ इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया §

श्री भगवान सिंह : अध्यक्ष महोदय, कल 10 बजे रात में पटना सिटी में दो आई०पी०एफ० महिलाओं की हत्या कर दी गयी और साथ-साथ एक सुरेश सहनी को गोली मार कर घायल कर दिया गया । इसकी सूचना हमलोगों ने पटना सिटी के सिटी एस०पी० को दे दिया लेकिन अभी तक अपराधी लोग गिरफ्तार नहीं किये गये हैं ।

अध्यक्ष महोदय, जो लोग हत्यारे हैं, वे बैजनाथ सरदार, बलजीत सरदार खुले घूम रहे हैं । अभी तक पुलिस ने इन पर कोई कार्रवाई नहीं की है ।

श्री सुशील कुमार मोदी : अध्यक्ष महोदय, कल पीरपैंती के संबंध में आपने कहा था कि सरकार की तरफ से सदन को उत्तर दिया जाएगा । पीरपैंती गोली काण्ड के बारे में सदन को बताया जाएगा ।

§ व्यवधान §

अध्यक्ष : कल मुख्य मंत्री महोदय ने कहा था इसके बारे में ।

श्री रामनरेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं व्यवस्था पर खड़ा हूं । कल विद्युत मंत्री जी का बयान आया कि बिजली की आपूर्ति में अप्रत्याशित सुधार हुआ है । और इसके बाद कल रात-रात भर लाईन कटा रहा । दूसरी बात मुझे यह कहनी है कि हमारे पूरे विधान-सभा में जो एयर-कंडीशन लगा हुआ है, उसको बंद कीजिए । पूरे देश की जनता चिलचिलाती गरमी में जल रही है और हम एयर कंडीशन में बैठे हैं, इसको बंद कराईए । आपको स्मरण होगा कि जब प्राचीनकाल में प्रधानमंत्री चाणक्य से उनके एक मित्र उनसे मिलने गए तो उन्होंने अपने सामने जो दीपक जल रही थी, उसकी लौ को बुझा दिया और जब मित्र ने इसका कारण पूछा तो उन्होंने कहा कि यह दीपक राज कार्य के लिए है, व्यक्तिगत उपयोग में इसका नहीं कर सकता हूं । इसीलिए इसको मैंने बुझा दिया है ।

§ व्यवधान §

अध्यक्ष: शांति, शांति ।

श्री बच्चा चौबे: अध्यक्ष महोदय, आपने छः तारीख को सरकार को निर्देश दियाथा कि जिन जिलों में कालाजार, डायरिया या हैजा जैसी महामारी फैल गयी हैं, वहां पर जो डाक्टरों का सामूहिक स्थानांतरण हो गया है, उसको रोक दिया जाए ।

टर्न-5/राजेश-ज्योति/10.7.92

अध्यक्ष:- माननीय सदस्य बच्चा चौबे जी आप कह रहे थे कि बारिश गोपालगंज जिला में नहीं हो रही है। आज मेरे साले साहब ने कहा कि गोपालगंज जिला में बारिश हो रही है।

श्री बच्चा चौबे:- आपको हुजूर गलत इनफोरमेशन मिला है, वहाँ बूंदा-बांदी हुई है, बारिश नहीं हो रही है।

अध्यक्ष:- उन्होंने कहा कि अच्छी बारिश हुई है।

श्री दिलीप कुमार राय:- अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ... दूसरी बात बोल रहे हैं, राज्यमंत्री अलग बात बोल रहे हैं, इससे हमलोगों को पता नहीं चल रहा है कि किनकी बात सही है।

अध्यक्ष:- अगले दिन जब यह प्रश्न आयेगा, तब उस दिन देख लिया जायेगा।

तारांकित प्रश्न संख्या:-834

श्रीमती सुधा श्रीवास्तव (मंत्री):- अध्यक्ष महोदय, इस प्रश्न के लिए समय चाहिए।

(व्यवधान)

श्री रामदेव वर्मा:- अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही सिरियस मामला है। छात्रों का नामांकन नहीं हो रहा है, कॉलेज बंद के कगार पर है। ऐसी स्थिति में ......

(व्यवधान)

श्री भगवान सिंह:- अध्यक्ष महोदय, जब नामांकन कॉलेज में नहीं होगा, जब कॉलेज में छात्र नहीं पढ़ेंगे, उनका नामांकन नहीं किया जायेगा, तो कॉलेज बंद हो जायेंगे। ऐसी स्थिति में सैकड़ों शिक्षक, कर्मचारी बेकार हो जायेंगे और वे तबाही के कगार पर खड़े हो जायेंगे। इसलिए यह बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल है, सरकार को इसपर जवाब देना चाहिए।

अध्यक्ष:- अगले हफ्ते उत्तर आ जायेगा। एक हफ्ते में आसमान नहीं टूट जायेगा, कृपया बैठ जाँय।

तारांकित प्रश्न संख्या:-835

श्रीमती सुधा श्रीवास्तव (मंत्री):- खण्ड 1 उत्तर स्वीकारात्मक है।

खण्ड 2 अस्पताल के लिए मकान उपलब्ध नहीं होने के कारण अभी तक क्रियाशील नहीं हो सका है। इस केन्द्र को क्रियाशील करने के लिए एक मकान ठीक किया गया है, वह मकान अभी अपूर्ण है, जो मकान ठीक किया गया है, वगैरह

निवासी, मो0 अकील का मकान ठीक किया है, जो मरम्मत हो रहा है, उसके पूर्ण होते ही पारा मेडिकल स्टाफ की नियुक्ति कर दिया जायेगा ।

श्री रण विजय शाही:- अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहता हूँ कि विभागीय पत्रांक 305(2) दिनांक 8 जुलाई, 1991 के द्वारा सभी जिला पदाधिकारी तथा सभी सिविल सर्जन को निदेश दियागया था कि विशेष अभियान चलाकर । अगस्त 1991 की तिथि से 8 पारा मेडिकल स्टाफ की नियुक्ति कर दिया जायेगा, मकान मिले या नहीं मिले/वह अलग बात है लेकिन क्या यह नियुक्ति हो गयी ?

श्रीमती सुधा श्रीवास्तव (मंत्री):- अध्यक्ष महोदय, इस प्रश्न में क्रियाशील करने की बात है, इसको क्रियाशील कर दिया जायेगा यानि चालू किया जायेगा ।

श्री बच्चा चौबे:- अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदया बतलावें कि नियुक्ति हुई है कि नहीं ?

टर्न-5/ज्योति:राजेश
10-7-92

श्री महेन्द्र झा आजाद : मंत्री महोदया बतलायें कि नियुक्ति हुई है कि नहीं ?
दरभंगा में 20-20 हजार रुपये लेकर नियुक्ति हुई है ।

श्री रण विजय शाही: अध्यक्ष महोदय, इस पत्र में लिखा है कि जिला पदाधिकारी को निर्देश दिया जाता था ।...

अध्यक्ष : पारा मेडिकल स्टाफ की नियुक्ति हुई कि नहीं ?

श्रीमती सुधा श्रीवास्तव(मंत्री): जबतक क्रियाशील नहीं किया जाता है ,पूर्ण स्पेस चालू नहीं होता है तो स्थानीय व्यवस्था से काम चलाया जाता है ,डिपुटेशन किया जाता है ।

श्री रण विजय शाही:अध्यक्ष महोदय, इस पत्र में स्पष्ट अंकित है कि जिला प्रशासन को निर्देश दिया जा रहा है कि सभी....

श्री राज कुमार राय : अध्यक्ष महोदय, एडीशनल पी0ए0सी0 के लिए बहुत पहले चिट्ठी मिली थी लेकिन आजतक उसपर कार्रवाई नहीं हुई । हमारे यहाँ सोनपुर क्षेत्र में भी एडीशनल पी0ए0सी0 स्वीकृत हुआ लेकिन अभीतक कुछ हुआ हुआ नहीं है ?

अध्यक्ष: इस प्रश्न से कहाँ उठता है ?

श्री महेन्द्र झा आजाद: बहुत इम्पोर्टेंट क्वेश्चन है । सारे राज्य का मामला है ।

श्री दिनेश चंद्र यादव: अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि सहर्षा जिले के सरुआ प्रखंड में एडीशनल पी0ए0सी0 स्वीकृत हुआ था वह चालू हुआ कि नहीं ?

श्रीमती सुधा श्रीवास्तव(मंत्री): माo सदस्य श्री महेन्द्र झा आजाद और बच्चा चौधरी ने कहा कि रुपया लेकर नियुक्ति हुई है कोई स्पेसिफिक इंस्टांस दें मैं जाँच करा दूँगी ।

श्री महेन्द्र झा आजाद : दरभंगा जिला में एक भी पोस्ट ऐसा नहीं है जिसमें 20 से 25 हजार रुपया लेकर नियुक्ति नहीं की गयी है । कमिटी बनाकर इसकी जाँच करायी जाय तब पता चल जायेगा ।

टर्न-5/ज्योति:राजेश

10-7-92

श्रीमती सुधा श्रीवास्तव: इधर नियुक्ति नहीं हुई है, बहुत पहले नियुक्ति हुई है ।

श्री बच्चा चौबे : कुचायकोट में नियुक्ति हुई है और उस नियुक्ति के विरूद्ध एफ0आई0आर0 दर्ज किया गया है । बहाल करने वाले डाक्टर का ट्रान्सफर किया गया है लेकिन आजतक वह डाक्टर वहाँ वर्तमान है और जिनकी गलत नियुक्ति हुई थी वे सभी लोग अबतक कार्यरत हैं -क्या सरकार उस दिशा में कार्रवाई करना चाहती है ? 20-25 हजार रूपया घुस लेकर नियुक्ति हुई है ?

श्री ब्रज मोहन सिंह: औरंगाबाद में भी सैकड़ों लोगों की नियुक्ति पैसे लेकर हुई और नियुक्ति करने वाला पदाधिकारी आज सचिवालय में बैठा हुआ है ।

श्री वेनी प्रसाद गुप्ता: 20-25 हजार रूपया लेकर गलत नियुक्ति हुई है ।

श्री राम प्रकाश महतो: अध्यक्ष महोदय, यहाँ जितनी बातें हो रही हैं मैं आपके माध्यम से जिस बात को बतलाना चाहता हूँ उससे सारा सदन संतुष्ट हो जायेगा। एक प्रश्न के जवाब मिलने से सारी बातें साफ हो जायेंगी चाहे वह चंपारण, सहर्षा, कटिहार, गोपालगंज, दरभंगा या पूरे बिहार में जितने जगह के लोग प्रश्न कर रहे हैं एक प्रश्न के जवाब से सभी माननीय सदस्य सन्तुष्ट हो जायेंगे - प्रश्न मेरा यह है कि जब 8 जुलाई 1991 के द्वारा माननीय मंत्री महोदय ने सभी जिला पदाधिकारियों तथा सभी सिविल सर्जनों को यह निर्देश दिया था कि 208 नवसृजित अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को तत्कालिक प्रभाव यानी 91 अगस्त से क्रियाशील कर दें तो मैं यह जानना चाहती हूँ आपके माध्यम से सरकार से कि इन नवसृजित 208 अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में से कितने केन्द्र चालू हुए, सरकार को क्या इसकी जानकारी है ?

तारांकित प्रश्न संख्या-८३५ पर पूरक क्रमशः

श्रीमती सुधा श्रीवास्तव(मंत्री): महोदय, २०८ अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चालू करने का सरकार ने निर्णय लिया है और उसे चालू करने की प्रक्रिया जारी भी है लेकिन महोदय उसमें कई जगहों पर जिलों में चालू कर दिया जायगा। स्थिति यह है कि कई जिलों में भवन उपलब्ध नहीं होने के कारण पंचायत भवन, स्कूलों में, सामुदायिक भवनों में लोगों ने जगह दी है। कई जिलों में किराये के मकान लेकर खोला गया है और कई जगह बाकी रह गया है। किसी एक जिला के बारे में पूछा जाता तो जवाब दे देती।

(व्यवधान)

श्री सुरेन्द्र प्रसाद यादव: अध्यक्ष महोदय, पूरे बिहार में कहीं भी चालू रहता तो इतने सारे माननीय सदस्य खड़ा होकर इस तरह का प्रश्न क्यों पूछते? इसका मतलब है कि कहीं चालू नहीं है।

श्री कृष्णदेव सिंह यादव: महोदय, माननीय सदस्य ठीक कह रहे हैं। न कहीं दवा है, न कहीं डाक्टर हैं, सरकार मरीजों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रही है।

श्री रणविजय शाही: अध्यक्ष महोदय, हमारा कहना था कि अस्पताल को तत्काल चालू किया जाय और दूसरी बात थी कि सभी जिला पदाधिकारी को निवेदन दिया गया था कि विशेष अभियान चलाकर सभी औपचारिकताओं को निष्पादन कर दिन के १ अगस्त,९१ की तिथि सेट पारा मेडिकलस्टाफ की नियुक्ति कर क्रियाशील किया जाय। तीसरी बात यह है कि प्रत्येक अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को दवा के मद में ९०-९१ में ३ हजार तथा ९१-९२ में ६० हजार रु० दिये गये। ये सब रुपये उपलब्ध होते हुये स्वास्थ्य केन्द्र नहीं खोलने का क्या कारण है? जैसा कि मंत्री महोदय ने कहा कि कहीं कहीं पंचायत भवन में खोल दिया गया है।

:व्यवधान:

तारांकित प्रश्न संख्या-८३६ :

श्रीमती सुधा श्रीवास्तव(मंत्री): महोदय, समय चाहिये।